TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

03 जून 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

खुद को जानना सबसे बड़ा खजाना है।

सुकरात

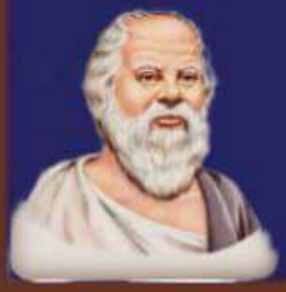

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

3 जून

मधु प्रिया

रवीन्द्रनाथ टैगोर को नाइटहुड की उपाधि 3 जून

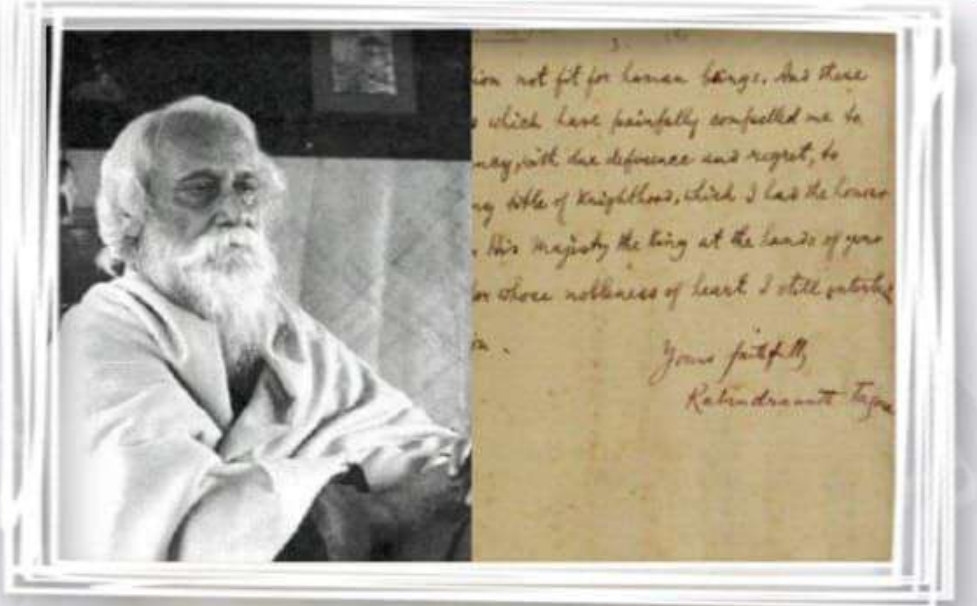

महान बांग्ला लेखक दार्शनिक और कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर को आज ही के दिन **3** जून **1915** में ब्रिटिश सरकार ने नाइटहुड यानि सर की उपाधि से नवाजा था। लेकिन **1919** में उन्होंने इसे लौटा दिया। जलियांवाला बाग हत्याकांड से टैगोर को भारी धक्का पहुंचा। उन्होंने इस घटना की कड़ी निंदा की और नाइटहुड की उपाधि अंग्रेज सरकार को लौटा दी। आधुनिक भारत के निर्माण में अपने साहित्य द्वारा प्रमुख भूमिका निभाने वाले टैगोर बांग्ला कवि,नाटककार,दार्शनिक, साहित्यकार और चित्रकार के रूप में याद किए जाते हैं। नाइटहुड एक उपाधि है जो किसी को ब्रिटिश राजा या रानी द्वारा उसकीउपलब्धियों या उसके देश के लिए उसकी सेवा के लिए दी जाती है। जिसे नाइटहुड से नवाजा जाता है वह अपने नाम के आगे 'सर' लगा सकता है। यह आमतौर पर एक राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिया जाने वाला पुरस्कार है।

Teachers of Bihar
The change makers

पुण्यतिथि विशेष 03 जून

कृष्ण बल्लभ सहाय

31 दिसम्बर 1898 – 3 जून 1974

पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार

कृष्ण बल्लभ सहाय *Krishna Ballabh Sahay*, जन्म- 31 दिसम्बर, 1866, पटना, बिहार; मृत्यु- 3 जून, 1974, हजारीबाग, झारखण्ड) भारत के सुप्रसिद्ध राष्ट्रभक्त एवं क्रांतिकारी थे, जो बाद में पहले बिहार के राजस्व मंत्री और फिर संयुक्त बिहार के मुख्यमंत्री भी बने।[1] के. बी. सहाय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े थे। वह 2 अक्टूबर 1963 से 5 मार्च 1967 तक मुख्यमंत्री पद पर रहे।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **03.06.2025**

स्व-विनियमित शिक्षा

स्व-विनियमित शिक्षा **(Self-Regulated Learning)** एक शैक्षणिक दृष्टिकोण है जिसमें छात्र अपने सीखने पर नियंत्रण रखते हैं, अपनी शैक्षिक यात्रा को सक्रिय रूप से निर्देशित करते हैं. इसमें शामिल हैं: लक्ष्य निर्धारित करना, प्रगति की निगरानी करना, रणनीतियों को लागू करना, और परिणामों का मूल्यांकन करना।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

जर्मनी में, इंजीनियरों ने छिद्रयुक्त ग्रेनाइट आधार वाली एक उच्च तकनीक वाली सड़क बनाई है, जो प्रति मिनट चार दस से अधिक वर्षा जल को सोख लेती है, जिससे सतह को होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है और बाढ़ के खतरे को कम किया जा सकता है।

राकेश कुमार

TOB खेल कॉर्नर

IPL

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टॉप-3 टीमें

2024			Vs	2025		
160		SRH		LSG		152
157		RCB		RR		146
135		DC		PBKS		142

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-3 बैटर्स

2024		Vs	2025	
	अभिषेक शर्मा 41		निकोलस पूरन 40	
	विराट कोहली 37		मिचेल मार्श 37	
	निकोलस पूरन 36		सूर्यकुमार यादव 32	

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025

एक पृथ्वी ,एक स्वास्थ्य लिए योग

वृश्चिकासन

सपना कुमारी, वर्ग -8

वृश्चिकासन, जिसे बिच्छू आसन भी कहा जाता है, एक उन्नत योग आसन है जो शक्ति, संतुलन और लचीलेपन के लिए जाना जाता है। यह आसन बिच्छू की मुद्रा की नकल करता है, जहां शरीर पीछे की ओर मुड़ा हुआ होता है और पैर ऊपर की ओर उठाये जाते हैं, जो बिच्छू की पूंछ की तरह दिखाई देते हैं।वृश्चिकासन एक शक्तिशाली और चुनौतीपूर्ण योग आसन है जो शरीर को शक्ति, संतुलन और लचीलापन प्रदान करता है। लेकिन, इसे सुरक्षित तरीके से करने के लिए उचित मार्गदर्शन और तैयारी की आवश्यकता होती है।

www.teachers of bihar.org

Mritunjayam

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

कलम जिसमें रबड़ की नली का प्रयोग किया जाता है, दबाकर छोड़ते से स्याही खींच लेती है, क्यों?

क्योंकि रबड़ की नली,जो कलम में लगी रहती है,वह धातु की लम्बी पतली पत्तियों के बीच रहती है।जब पत्ती की सतह को दबाया जाता है तो रबड़ की नली से हवा बाहर निकल जाती है। जिस कारण शून्यता पैदा हो जाती है और नीब के निकट से स्याही भीतरी दाब के कम होने के कारण रबड़ की नली में घुस जाती है। इस प्रकार स्याही धीरे धीरे पूरी नली में भर जाती है।

Madhu priya

पद्य पंकज

"

नीर भरी दुख की बदली
नीर भरी दुख की बदली!
मुर्झायें फूल बिन क्यारी के,
उर झरना बन गया सवाली,
नीर भरी दुख की बदली!

महादेवी वर्मा

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

Teachers Of Bihar

आओं सीखें

नियम (Rule)

पूर्व निर्धारित निर्देश या कायदे, जिन्हें पालन करना आवश्यक होता है। नियम बाहरी होते हैं जैसे किसी संस्था , समाज या संगठन द्वारा बनाए जाते है। नियमों में बदलाव संभव है। नियमों का उद्देश्य है व्यवस्था बनाए रखना।

जैसे :- विद्यालय में समय पर आना एक नियम है।

VS

अनुशासन(Discipline)

अनुशासन वह आंतरिक मानसिकता है जिससे व्यक्ति नियमों का पालन स्वेच्छा से करता है। यह व्यक्ति के चरित्र और आदत से जुड़ा होता है। इसका उद्देश्य है स्व-नियंत्रण और जिम्मेदारी।

जैसे :- छात्र स्वयं समय पर आता है, यह उसका अनुशासन है।

संक्षेप में :-

- नियम = बाहरी कायदा
- अनुशासन = आंतरिक आदत

साहित्य के सर्वोच्च पुरस्कार
ज्ञानपीठ, पद्म भूषण, साहित्य
अकादमी, केरल साहित्य
अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

गोविंद शंकर कुरुप

की जयंती पर सादर नमन।

जन्म- 3 जून 1901
मृत्यु- 2 फरवरी 1978

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

3 जून

विश्व साईकिल दिवस

" विश्व साईकिल दिवस "की शुभकामनाएं। आइए इस अवसर पर आज परिवहन के इस सादे, उचित, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल सतत साधन को बढ़ावा देने के लिए संकल्प लें।

Madhu priya

/teachersofbihar

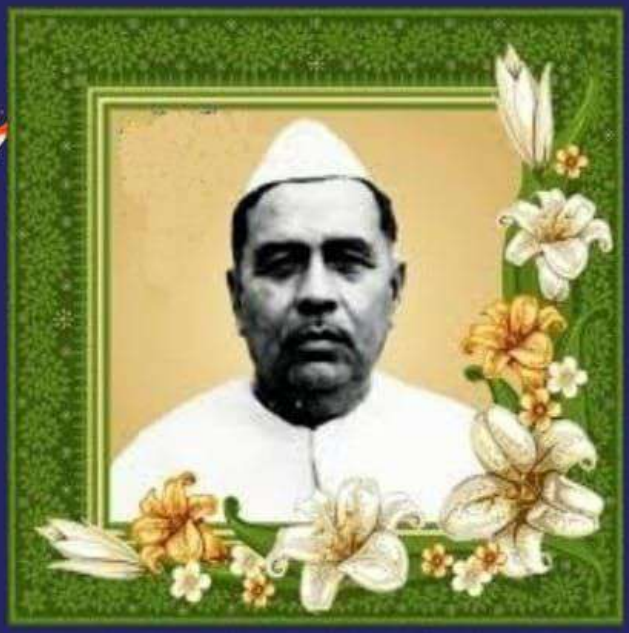

बिहार के चौथे मुख्यमंत्री, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी

कृष्ण बल्लभ सहाय

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

जन्म- 31 दिसम्बर 1898 - मृत्यु– 3 जून 1974

www.teachersofbihar.org

Madhu priya